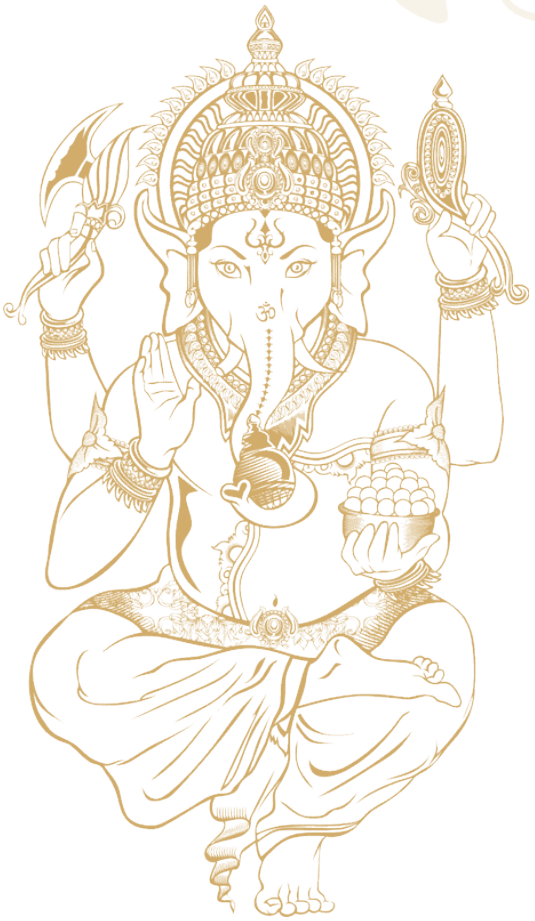

Mr. Chandar Parkash

Nirma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119170310

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/10/2001	जन्म तिथि	08/05/2006
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 14:30:00	जन्म समय	09:15:00 घंटे
घटी 19:43:17	जन्म समय(घटी)	08:18:44 घटी
India	देश	India
Jodhpur	स्थान	Jodhpur
26:18:00 उत्तर	अक्षांश	26:18:00 उत्तर
73:08:00 पूर्व	रेखांश	73:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:28	स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:36:41	सूर्योदय	05:55:30
18:09:35	सूर्यास्त	19:12:51
23:52:37	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:43

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 0वर्ष 8मा 29दि	16:45:46	मक	लग्न	मिथु	12:55:51	शुक्र 1वर्ष 9मा 24दि
राहु	28:11:47	कन्या	सूर्य	मेष	23:29:04	मंगल
15/07/2019	08:20:25	कन्या	चंद्र	सिंह	25:27:16	02/03/2024
15/07/2037	27:50:26	धनु	मंगल	मिथु	20:09:07	03/03/2031
राहु 27/03/2022	25:21:30	कन्या व	बुध	मेष	11:25:50	मंगल 29/07/2024
गुरु 20/08/2024	21:16:13	मिथु	गुरु व	तुला	19:35:50	राहु 17/08/2025
शनि 27/06/2027	05:59:00	कन्या	शुक्र	मीन	11:24:35	गुरु 24/07/2026
बुध 13/01/2030	20:47:13	वृष व	शनि	कर्क	11:22:25	शनि 01/09/2027
केतु 01/02/2031	05:48:03	मिथु व	राहु	मीन	09:40:46	बुध 29/08/2028
शुक्र 01/02/2034	05:48:03	धनु व	केतु	कन्या	09:40:46	केतु 25/01/2029
सूर्य 26/12/2034	27:08:00	मक व	हर्ष	कुंभ	20:04:45	शुक्र 27/03/2030
चन्द्र 26/06/2036	12:07:02	मक व	नेप	मक	25:48:54	सूर्य 02/08/2030
मंगल 15/07/2037	19:24:10	वृश्चि	प्लूटो व	धनु	02:24:57	चन्द्र 03/03/2031

लग्न-चलित

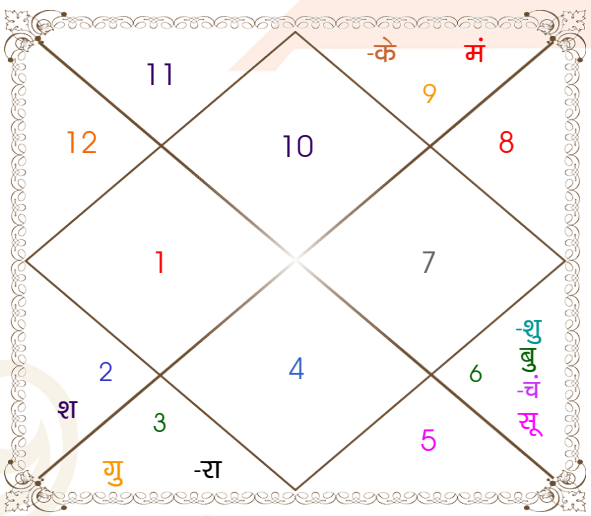

लग्न-चलित

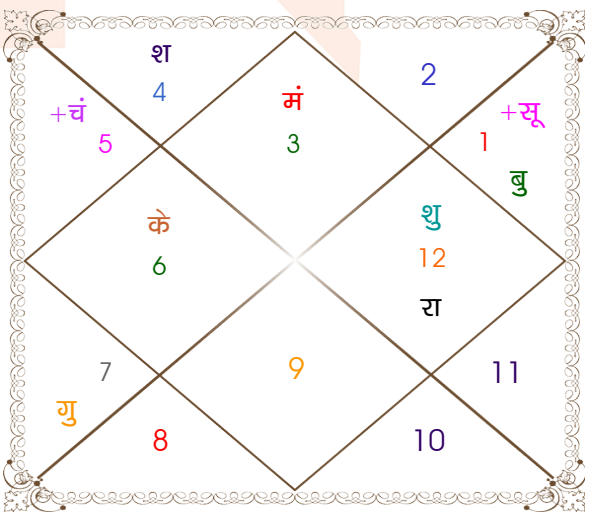

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	सूर्य	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण बैंदकंत च्तौंी का वर्ग मूषक है तथा छपतउं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण बैंदकंत च्तौंी और छपतउं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण बैंदकंत च्तौंी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण बैंदकंत च्तौंी कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

छपतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतण बैंदकंत च्तौंी कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण बैंदकंत च्तौी तथा छपतउं   में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।